M

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–3)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (J-A)–M–GSM (M-I)-2203

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Sateesh kumar Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): _____ **Reg. Number:** _____

Center & Date: _____ **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

Vimla

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. विद्युत क्षेत्र की प्रमुख संरचनात्मक चुनौतियों पर प्रकाश डालिये। इन चुनौतियों के समाधान के कुछ उपाय सुझाइये। (150 शब्द) 10

Highlight the major structural challenges ailing the power sector. Suggest some measures to overcome these challenges. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Ans.

भारत में विद्युत क्षेत्र की उपयोगिता लगभग हर उद्योग में देखने को मिलती है। विद्युत क्षेत्र में निवेश किए जाने की महत्ता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत वर्तमान में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता है।

अच्छा प्रयास है।

परन्तु हमारा विद्युत क्षेत्र कहीं संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहा है-

(1) राज्यवार उत्पादन में भिन्नता → कई हिमालयी राज्यों में विद्युत की आवश्यकता से अधिक उत्पादन होता है, वहीं कई राज्य उच्च मांग के समय कमी का सामना करते है।

तथ्य विचारणीय है। → परिपक्वता लाने का प्रयास किया जाना चाहिए

(2) विद्युत की चोरी एवं अत्यधिक स्थानांतरण हानि: → राज्यों के राज्य में कमी का बड़ा कारण, चोरी की बढ़ती प्रवृत्ति है तथा AT&C हानियां भी लगभग 20% है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

> विषय-वस्तु कमजोर है। ↓ प्रयास कीजिए जैसे कि ↓ ① लागत राजस्व अंतर ② निवेश आदि

(3) राज्य discoms की खराब वित्तीय हालत:-

वर्तमान में राज्यों के लगभग हर डिस्कॉम में वित्तीय समस्याऐं देखी जा रही हैं तथा बैंक कर्ज बढ़कर लगभग 5.65L. करोड़ के आस-पास है।

(4) कोयले पर अत्यधिक निर्भरता → लगभग 47% ऊर्जा में भागीदारी कोयले की है साथ ही भारत में कोयले का आयात करना पड़ता है → विदेशी व्यापार संतुलन पर नकारात्मक प्रभाव।

> निष्कर्ष को कम शब्दों में लिखने का प्रयास कीजिए

विद्युत क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में महत्ता को देखते हुए आवश्यकता इस बात कि है कि सरकार bail-out packages की हालत को सुधारने पर कार्य करें; AT&C losses को कम करने के लिए सरकार को विद्युत उत्पादन के decentralisation की आवश्यकता है। विद्युत चोरी कम करने के लिए smart-metering के साथ Privatisation को बढ़ावा देना अच्छा कदम है/ मुम्बई, दिल्ली जैसे शहरों में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं

> देवनागरी लिपी में लिखा जाना चाहिए।

(3)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. "भारत में आजादी मिलने के बाद से खंडित भूमि जोत एक मुख्य समस्या बनी हुई है।" कृषि क्षेत्र पर इसके प्रभाव का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Fragmented landholding has been an issue since India gained independence." Examine its impact on the agriculture sector. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Ans. भारत की आजादी के समय जमींदारी एवं अन्य भू-राजस्व व्यवस्थाओं के अन्तर्गत भूमि अत्यधिक खंडित अवस्था में थी/ आगे भी आर्थिक एवं सामाजिक कारणों से भूमि का लगातार विखंडन देखने को मिला जिसके कारण जहाँ कृषि जनगणना-1971 के अनुसार औसत भूमि जोतों का आकार 2.08 hect/p था वो घटकर 2015-16 में 1.06 hect/p हो गया है साथ ही भारत के लगभग 86% किसान लघु एवं सीमांत किसान हैं।

> संक्षिप्त भूमिका लिखने का प्रयास कीजिए।

आगे भी किसानों की बढ़ती जनसंख्या, भूमिसुधारों के प्रति राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव, पारिवारिक संरचना में परिवर्तन, बढ़ते शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण के कारण भू-जोतों का लगातार घटता क्रम कई कारणों से कृषि की उत्पादकता एवं किसानों की आय को प्रभावित करता है

> कारण एवं प्रभावों की व्याख्या अलग-अलग करना बेहतर रहेगा।

कारण एवं प्रभाव :-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ये दोनों तथ्य एक ही हैं। इस प्रकार लिखने से बचें।

(1) कृषि जोतों का कम आकार → कृषि में आधुनिक तकनीकी के प्रयोग को हतोत्साहित करता है → जिससे कृषि उत्पादकता अन्य विदेशी देशों की तुलना में अत्यधिक कम [चावल (in India) → 27,38 tonn/hec, चावल (In japan) → 40,32 ton/hec

विषय वस्तु को सशक्त बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को शामिल किया जा सकता है। जैसे → अल्परोजगार, सिंचाई तक पहुँच, उर्वरक तक पहुँच, फसल विविधीकरण पर प्रभाव आदि।

(2) कृषि जोतों का छोटा आकार → संस्थागत ऋणों तक बाधा उत्पन्न करता है → कृषि में निवेश प्रभावित होता है → उत्पादन कम

(3) जोतों के छोटे आकार के भूमि विवादों का बढ़ना भी एक समस्या है।

(4) छोटी जोतों वाले किसान, उपज बिक्री के समय मोल-भाव करने में कम सक्षम होते हैं।

(5) छोटी जोत → कम उपज → MSP का लाभ न उठा पाना → एक रिपोर्ट के अनुसार केवल 6% लोग ही।

अतः आवश्यकता है कि सरकार भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण के साथ-साथ, सहकारी कृषि, संविदात्मक कृषि, भूमि सुधारों को लागू करने के लिए कदम उठाये जाने चाहिये।

निष्कर्ष संदर्भ के अनुसार लिखा गया है।

(3.5)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. वैश्विक आपूर्ति एकीकरण में भारत में एम.एस.एम.ई. के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतियाँ क्या हैं? इन समस्याओं के समाधान में सरकारी हस्तक्षेप कैसे उपयोगी रहे हैं? (150 शब्द) 10

What are the various challenges faced by MSME's in India in global supply integration. How have government interventions been useful in addressing the issues? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ठीक है।

भारत का MSME क्षेत्र देश के GDP में लगभग 27% का योगदान देता है तथा निर्यात में इसकी भागीदारी भी लगभग 16% है साथ ही यह क्षेत्र भारत की जनसंख्या के एक बड़े भाग को रोजगार भी प्रदान करता है।

परंतु भारत का MSME क्षेत्र, चीन के MSME क्षेत्र की तुलना में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अत्यधिक न्यून योगदान रखता है। जिसके कुछ कारण :→

चुनौतियाँ

- भारत का MSME क्षेत्र पुरानी तकनीकों के कारण निर्यात/आयात के निम्न अनुपात के कारण लाभप्रद नहीं है।
- भारत का MSME क्षेत्र बड़े-बड़े बहुराष्ट्रीय कंपनियों से भी प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं
- संस्थागत ऋण तक पहुँच का अभाव एक अन्य समस्या है

अन्य चुनौतियों की भी चर्चा करना प्रभावी रहेगा। जैसे —
① सीमित पैमाने की अर्थव्यवस्था
② अपर्याप्त अवसंरचना
③ महामारी के बाद की चुनौतियाँ आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ भारत के श्रमबल के केवल 2.3% को ही औपचारिक कौशल का प्राप्त किया होना अन्य देश यथा द० कोरिया जहाँ का श्रम बल का 95% कौशल प्राप्त है, से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है

↳ सरकार के इस क्षेत्र को पर्याप्त समर्थन के अभाव में इस क्षेत्र की पहुँच विविधतापूर्ण विश्व-बाजार तक न होना भी एक समस्या है

(इन तथ्यों का संक्षेप में वर्णन किया जा सकता है।)

- वर्तमान में सरकार के द्वारा 'एक राज्य एक उत्पाद', उत्पादन आधारित प्रोत्साहन, मुद्रा योजना, स्टार्टअप योजना, मेगा फूड पार्क आदि ने इस क्षेत्र को निम्न संदर्भों में लाभान्वित किया है-

(i) संस्थागत ऋण तक आसान पहुँच।

(ii) कौशल विकास योजना के कारण कुशल श्रमिकों तक पहुँच का बढ़ना।

(iii) सरकार इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के अवसंरचनात्मक एवं तकनीकी उन्नयन पर बल दिया है → उत्पादन लागत कम होना/निर्यात प्रतिस्पर्धी

(कुछ उपायों की चर्चा करते हुए निष्कर्ष लिखना प्रभावी रहेगा।)

4.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. भारत में कुपोषण को दूर करने में फूड फोर्टिफिकेशन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Food fortification can play a crucial role in addressing malnutrition in India. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में जारी, भुखमरी सूचकांक में भारत की रैंकिंग 116 देशों में से 101 वें स्थान पर है साथ ही भारत में लगभग 50% महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं तथा बच्चों में स्टंटिंग एवं वेस्टिंग भी क्रमश: 16% एवं 34% पर अवस्थित है।

(अच्छा प्रयास किया गया है।)

उपर्युक्त आंकड़े, भारत में कुपोषण की गंभीर होती स्थिति की ओर इंगित करते हैं। इससे निपटने के लिए हाल ही में 'नीति आयोग' ने फूड फोर्टिफिकेशन को अपनाने की पेशकश की है।

(फूड फोर्टिफिकेशन की व्याख्या करते हुए सीधे उत्तर की शुरुआत की जा सकती है।)

फूड फोर्टिफिकेशन के तहत, भोजन में जैवप्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से विटामिन एवं अन्य पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाकर, भोजन को पोषक तत्वों से युक्त बनाया जाता है। उदा० के रूप में गोल्डन राइस में विटामिन-A की मात्रा बढ़ाई

(ठीक है।)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कुछ अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को शामिल करके विषय वस्तु को प्रभावी बनाया जा सकता है, जैसे —
① लागत प्रभावी है। खाने के पैटर्न में बदलाव की आवश्यकता नहीं
② महिलाओं और बच्चों को कुपोषण के कारण होने वाले स्वास्थ्य संकट से बचाने में मदद कर सकता है

गई थी। अतः यह निम्न प्रकार से कुपोषण की समस्या को हल कर सकता है-

(i) विटामिन्स एवं अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की भोजन में आपूर्ति सुनिश्चित कर।

(ii) पोषक तत्वों के वैकल्पिक स्रोतों की तुलना में फूड फोर्टिफिकेशन एक सस्ता विकल्प है → बडे स्तर पर अपनाया जा सकता है।

(iii) भारत में जनसंख्या का एक बडा भाग (अपनीअन्न) की आवश्यकताओं की पूर्ति PDS वितरण नेटवर्क के माध्यम से करता है लगभग (67%) अतः अनाजों का फूड फोर्टिफिकेशन, सरकार को बडी आबादी तक पोषक पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायक हो जायेगा।

अतः सरकार को फूड फोर्टिफिकेशन के साथ-2 "Eat Right", "Zero Fat", "guilt free" जैसे अभियानों के बारे में जागरूकता (बढ़ायें) → बढ़ानी चाहिए

ठीक है।

(4)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. आदेशात्मक नियोजन से आप क्या समझते हैं? यह निर्देशात्मक नियोजन से किस प्रकार भिन्न है? (150 शब्द) 10

What do you understand by Imperative Planning? How is it different from Indicative planning? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आदेशात्मक नियोजन की संक्षिप्त परिभाषा लिखकर शुरुआत करना बेहतर रहेगा।

Ans. आदेशात्मक नियोजन का तात्पर्य इस स्थिति से है जहाँ उत्पादन के सम्पूर्ण साधनों पर एक सरकारी संगठन का नियंत्रण होता है। पदानुक्रम में कठोरता के साथ लक्ष्यों को निर्धारित करने के साथ उन्हें पूरा करने में एक केन्द्रीय समिति योजना का निर्माण करती है। साथ ही सम्पूर्ण निजी क्षेत्र सरकार द्वारा कठोरता पूर्वक विनियमित होता है इस प्रकार की योजना में लक्ष्यों को प्रायः प्राप्त कर लेना आसान होता है। जैसा कि 1920 में सर्वप्रथम 'रूसी साम्यवादी सरकार' के मामले में देखा गया था, साथ ही भारत में 'पंचवर्षीय योजनाओं' का निर्माण भी इसी का एक उदाहरण है।

महत्वपूर्ण शब्दों को रेखांकित किया जाना चाहिए।

दूसरी तरफ निर्देशात्मक नियोजन में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विषय-सामग्री को बिन्दुओं के माध्यम से लिखना प्रभावी रहेगा

सरकार एवं निजी क्षेत्र आपस में सहयोग करते हुए योजना निर्माण करते हैं तथा लक्ष्यों को भी निर्धारित करते हैं एवं बाजार को स्वतंत्रता पूर्वक संचालित होना इसकी महत्वपूर्ण विशेषता है।

आदेशात्मक नियोजन की तुलना में निर्देशात्मक नियोजन में उपभोक्ताओं की स्वतंत्रता भी अधिक होती है।

निर्देशात्मक नियोजन में सरकार निजी क्षेत्र को विनियमित करने के बजाय उसे किसी विशेष क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग कर विकास को प्रोत्साहित करने के लिए निर्देश दे सकती है।

इस प्रकार, जहाँ निर्देशात्मक नियोजन बाजार प्रणालियों के स्वतंत्रता पूर्वक संचालन को संदर्भित करता है वहीं आदेशात्मक नियोजन प्रतिबंधात्मक बाजार का निर्माण करता है।

संतुलित निष्कर्ष लिखने का ध्यान कीजिए।

3.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

6. भारत को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये कृषि क्षेत्र को सब्सिडी देने के बजाय कृषि में अनुसंधान एवं विकास के वित्तपोषण पर अधिक ध्यान देना चाहिये। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

India should be biased toward funding R&D in agriculture rather than giving subsidies to agriculture sector to ensure food security. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

ठीक है।

भारत में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए दी जाने वाली कृषि सब्सिडियां बढ़ते राजकोषीय घाटे, पर्यावरणीय दुष्प्रभावों एवं विश्व व्यापार संगठन के अन्तर्गत विवादों को जन्म देने के कारण अत्यंत विवादास्पद हैं।

कृषि सब्सिडियां:
- किसान ऋण माफी
- उर्वरक सब्सिडी
- विद्युत सब्सिडी
- MSP के रूप में उपज के लिए न्यूनतम मूल्य की गारंटी

{सब्सिडी व्यय, कुल राजस्व व्यय का लगभग 17% है}

कृषि सब्सिडियों का वर्णन करने की आवश्यकता नहीं है। भूमिका लिखने के बाद सीधे कृषि में अनुसंधान का महत्व लिख सकते हैं।

उपर्युक्त को देखते हुए, हाल ही में 'नीति आयोग' एवं अन्य आयोगों के द्वारा कृषि सब्सिडी में व्यय के बजाय, कृषि अनुसंधान पर व्यय को बढ़ाये जाने का सुझाव दिया गया है, इसके कई

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

फायदे हो सकते हैं -

1. यह WTO में कृषि सब्सिडी से संबंधित विवादों को कम कर सकता है क्योंकि कृषि अनुसंधान पर दी गई सब्सिडी Green box के अन्तर्गत आती है → No trade distortion → no restriction

2. इससे कृषि को दीर्घकालिक रूप से उत्पादन बढ़ाने में सहायक माना जाता है। व किसानों को बेहतर आय उपलब्धता।

3. भारत में लगभग 86% किसानों के छोटे एवं मध्यम श्रेणी के कारण, अल्प जोत के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित कर फायदा पहुँचाया जा सकेगा।

4. अत्यधिक सब्सिडी के कारण उर्वरक उपयोग के असंतुलन एवं अत्यधिक सिंचाई के कारण उत्पन्न हो रही लवणीकरण की समस्या को दूर किया जा सकता है।

उपर्युक्त को देखते हुए सरकार को तत्काल कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिये एवं सब्सिडियों को भी युक्तिसंगत बनाया चाहिये।

अच्छा प्रयास है। good

सुझाव देकर निष्कर्ष लिखने का प्रयास किया जा सकता है।

4.5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. जलवायु परिवर्तन और पानी की कमी के युग में, सूक्ष्म सिंचाई फसल की उपज बढ़ाने और पानी की आवश्यकताओं को कम करने में मदद कर सकती है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

In the age of climate change and water scarcity, micro-irrigation can help increase crop yield and decrease water requirements. Discuss. (150 words) 10

सूक्ष्म सिंचाई से तात्पर्य ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों के उपयोग से है जो जल के कम उपयोग [Per drop more crop] के द्वारा भी फसल को समान रूप से पानी उपलब्ध करा सकती है एवं बाढ़ सिंचाई की तुलना में कम जल उपयोग water logging के कारण बढ़ रही लवणीकरण की समस्या का भी समाधान हो सकेगा।

संक्षिप्त भूमिका लिखने का प्रयास कीजिए।

सूक्ष्म सिंचाई के उपयोग से उर्वरक की खपत लगभग आधी हो जाती है जिसके कारण उर्वरकों के प्रयोग में बढ़ा हुआ असंतुलन [N:P:K = 1:1.4:4.6] कम होता है जो जल की खपत को कम करता है जो भारत जैसे जल संकट [प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 1350 mil/वर्ष] वाले देश के लिए महत्त्वपूर्ण है। इसके अलावा सुपोषण के प्रभाव को भी समाप्त करता है, समुद्री

सूक्ष्म सिंचाई के लाभों को बिन्दुओं के रूप में लिखना बेहतर रहेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है अतः सूक्ष्म सिंचाई जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में महत्त्व रखती है

अन्य सन्दर्भों को भी शामिल करने का प्रयास किया जाना चाहिए। जैसे
① सूक्ष्म सिंचाई पद्धति में आने वाली चुनौतियाँ
② चुनौतियों का समाधान

इसके अलावा सूक्ष्म सिंचाई में जल को सीधे फसलों की जड़ों तक पहुँचाने का प्रयास किया जाता है, जिससे पानी की भी बचत होती है।

इस प्रकार सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों को अपनाने के लिए सरकार द्वारा इनके लिए सब्सिडी योजना प्रारंभ की गई है साथ ही प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में भी सूक्ष्म सिंचाई को एक घटक के रूप में शामिल किया गया है तथा इन पद्धतियों को अपनाने से पेरिस जलवायु समझौतों के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी यह सहायक होगा।

संक्षिप्त निष्कर्ष लिखने का प्रयास कीजिए।

③

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. फसल विविधीकरण को टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने, आयात पर निर्भरता में कमी और किसानों के लिये उच्च आय को बढ़ावा देने के लिये एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Crop diversification can be used as a tool to promote sustainable agriculture, reduction in import dependence and higher incomes for the farmers. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाशिए के बाहर न लिखें

Ans

ठीक है।

फसल विविधीकरण का तात्पर्य भूमि में फसलों के चक्रण से है अर्थात किसान द्वारा अनाज, दलहन एवं अन्य फसलों के क्रमवार उत्पादन को बढ़ावा देने से है।

फसल विविधीकरण निम्न कारण से महत्वपूर्ण है -

(i) टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना।

↳ अनाजों के साथ दलहन जैसे फसलों की खेती मृदा में नाइट्रोजन जैसे पोषक तत्वों की उपस्थिति बढ़ाने में अत्यधिक सहायक है।

↳ यह मृदा में होने वाले अपरदन एवं क्षारीकरण को बढ़ने से रोककर भूमि-निम्नीकरण को कम कर सकता है।

अन्य तथ्य भी शामिल किए जा सकते हैं। जैसे —
① शून्य बजट प्राकृतिक खेती
② मिश्रित खेती
③ डेयरी और पोल्ट्री जैसे कृषि व्यवसाय

खाली जगह न छोड़ें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ii) आयात पर निर्भरता में कमी

- भारत दलहन एवं तिलहन जैसे कृषि उत्पादों के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भर है। विशेष रूप से भारत ने तिलहन का वर्ष 2021-22 में लगभग 76,000 करोड़ रुपये का आयात किया, जो विदेशी मुद्रा में कमी के कारण रुपये की गिरावट का एक कारण है।

ठीक है।

(iii) किसानों की आय बढ़ाने में सहायक

- निर्वाहक फसलों के साथ-साथ नगदी फसलों की खेती आय का स्रोत उपलब्ध कराती है।
- दलहन जैसी फसलें सूखा प्रतिरोधी होती है अतः खराब मौसम में भी आय प्रदान करने में सहायक।

अन्य तथ्य
① तकनीकी आधार
② अनुसंधान
③ खेतों का आधुनिकीकरण आदि

उपर्युक्त लाभों को देखते हुए सरकार National mission on palm oil, बागवानी मिशन, इन्द्रधनुष हरित क्रांति, दलहन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं [MSP का विस्तार] चलारही है

निष्कर्ष ठीक है।

(4)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

9. दोहरे घाटे (Twin Deficit) की अवधारणा की व्याख्या कीजिये? भारत वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दोहरे घाटे की चुनौती की फिर से उभरती चुनौती से कैसे निपट सकता है। (150 शब्द) 10

Explain the concept of twin deficit? How can India address the re-emerging challenge of twin deficit challenge in current global scenario. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

A. दोहरे घाटे की स्थिति का तात्पर्य राजकोषीय घाटे के बढ़ने के साथ-साथ चालू खाते के घाटे के बढ़ने से है।

संक्षिप्त भूमिका लिखने का प्रयास कीजिए।

वर्तमान में, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती तेल कीमतों के कारण, सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए रक्षा खरीद के बढ़ने के कारण, चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध एवं 2018 में अमेरिकी रिजर्व बैंक दरों के बढ़ाए जाने के कारण साथ ही निर्यात में कमी भारत में चालू खाते में हो रही वृद्धि के कारणों को दर्शाते हैं; साथ ही कोरोना महामारी के समय अत्यधिक खर्च एवं अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे व्यय के कारण सरकार का राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है।

दोहरे घाटे को जन्म देने वाले कारकों को बिन्दुओं के माध्यम से लिखना प्रभावी रहेगा।

अतः इस बढ़ती चुनौति से निपटने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के उपाय :-

चालू खाता घाटा

निर्यात मूल्य बढ़ाकर
- निर्यात विविधीकरण।
- गंतव्य स्थलों का विविधीकरण
- MSME की क्षमता बढ़ाकर।

आयात मूल्य घटाकर
- Free trade Agreement को बढ़ावा देना / हाल ही में भारत ने UAE, Aus. के साथ समझौता किया है
- तेल आयात का विविधीकरण करके

अच्छा प्रयास है। good

राजकोषीय घाटा

व्यय कम करके
- Subsidy को तर्कपूर्ण बनाकर
- सरकारी योजनाओं में लीकेज कम करके
- जरूरी सेवाओं के अतिरिक्त अन्य सभी में निवेश को बढ़ावा देकर।

आय बढ़ाकर
- अधिक से अधिक लोगों को कर दायरा में लाना → कर चोरी रोककर।
- Asset Monetisation Scheme का कुशलता पूर्वक उपयोग।

आगे की राह बताकर निष्कर्ष लिखना प्रभावी रहेगा।

5.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

10. महामारी और आसन्न मंदी के मद्देनजर, राज्यों को राजस्व की कमी के मुद्दे का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में राजकोषीय संघवाद के सिद्धांत को कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है?

(150 शब्द) 10

In the wake of pandemic and looming recession, states are facing the issue of a revenue shortfall. In this regard how can the principle of fiscal federalism be ensured?

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महामारी के कारण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार लोगों को आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति करने में राज्यों के व्यय में अत्यधिक वृद्धि हुई है साथ ही सरकार द्वारा दिया जाने वाला जीएसटी क्षतिपूर्ति को भी केन्द्र सरकार द्वारा विलंबित किए जाने से राज्य, राजस्व की कमी का सामना कर रहे हैं।

वर्तमान में राज्यों का ऋण से जीडीपी का कुल अनुपात FRBM Act के तहत निर्धारित 40% से काफी बढ़ गया है।

अतः राजकोषीय संघवाद के सिद्धांत को सुनिश्चित करने के लिए निम्न उपाय किए जाने की आवश्यकता है-

1. GST compensation Cess को पूरी तरह राज्यों को प्रदान किए जाने पर बल होना चाहिये। ताकि राज्यों को हुई राजस्व हानि की पूर्ति की जा सके।

राजकोषीय संघवाद की परिभाषा लिखकर शुरुआत की जा सकती है।

राजस्व हस्तांतरण में राज्यों के समक्ष आने वाले मुद्दों की चर्चा करना बेहतर रहेगा। → तत्पश्चात उपायों की चर्चा की जानी चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. राज्यों को अपने GDP के प्रतिशत के अनुरूप अधिक भाग में ऋण लेने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिये। इस संदर्भ में राज्यों पर किसी भी प्रकार की शर्तें लगाने से केन्द्र को बचना चाहिये।

3. Centre sponsored schemes के तहत राज्यों को मिलने वाले प्रतिशत को बढ़ाया जाना चाहिये।

4. राज्यों को Statutory अनुदानों को बढ़ाना चाहिये, ताकि राज्य स्वेच्छा से धन का उपयोग कर सके।

5. '15वें वित्त आयोग' की TOR पर द०राज्यों की आपत्तियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिये।

6. केन्द्र सरकार को यथासंभव Cess & Surcharge आरोपित करने से बचना चाहिये। साथ ही आरोपित किया भी जाये तो Sunset-clause का प्रावधान।

उपर्युक्त उपायों को अपनाने की तत्काल आवश्यकता है

(Margin remarks: राज्यों के बोझ को कम करने के लिए उठाए गए कदमों की भी चर्चा की जानी चाहिए। 2 — देवनागरी लिपि में लिखने का प्रयास कीजिए। — सभी आयामों को लिखने का प्रयास कीजिए। — 2.5)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

11. समावेशी विकास को बढ़ावा देने और सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी बढ़ाना महत्त्वपूर्ण है। इसे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Increasing Female Labour Force Participation in India is crucial to promote inclusive growth and achieve the Sustainable Development Goals. Discuss the ways in which it can be increased. (250 words) 15

Ans. हाल ही जारी, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी लगभग 20% के स्तर पर स्थिर बना हुआ है।

श्रम बल में महिलाओं की बढ़ी हुई भागीदारी समावेशी विकास को बढ़ावा देने एवं सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में निम्न प्रकार सहायक हो सकती है :→

- महिलाओं की बढ़ी हुई भागीदारी महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है ⇓ जो उनके सशक्तिकरण में सहायक होगा।
- यह महिलाओं की शिक्षा एवं कौशल प्रदान में महत्वपूर्ण इजाफा करेगा। ⇓ सामाजिक स्तर पर लिंग-भेद में कमी।
- परिवार की आय में वृद्धि. ↓ गरीबी, घरेलू हिंसा, लिंग-भेदभाव जैसे SDG को कम करने में सहायक
- IMF के अनुसार श्रम बल में महिलाओं की बढ़ी भागीदारी → देश के GDP में वृद्धि करेगी → जिससे सामाजिक कल्याण योजनाओं को संचालित करने के लिए धन उपलब्ध
- यह पितृसत्तात्मकता को कमजोर कर सकता है ⇓ जो अन्तत: महिलाओं के उत्थान में सहायक होगा।

(Margin remarks: भूमिका अच्छी है। — सर्वप्रथम इन कारणों की चर्चा करना बेहतर रहेगा जिसमें भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी निम्न है। ↓ जैसे ① डबल बर्डन सिंड्रोम ② जेंडर वेतन अंतराल आदि। — font size बड़ा लिखने का प्रयास कीजिए।)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त सकारात्मक पक्षों को देखते हुए, सरकार द्वारा निम्न प्रकार से प्रयास करने की आवश्यकता है -

अच्छा प्रयास है।

1. "कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा" संबंधी 'विशाखा गाइडलाइन्स' का पालन करने के लिए संगठनों को जिम्मेदार ठहराया जाये।

2. सरकारी प्रतिष्ठानों के समान ही महिलाओं को मातृत्व संबंधी लाभ सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कानून लाए जाने की आवश्यकता है।

सभी आयामों को लिखने का प्रयास कीजिए।

3. चूंकि SHGs महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं अतः द० भारत के Models (successful) को अन्य जगह अपनाए जाने की आवश्यकता है।

4. सरकार को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', Stand-up India, Skill development आदि जैसे अधिक कार्यक्रम महिलाओं पर विशेष फोकस के साथ प्रारंभ किए जाने की आवश्यकता है।

अतः आवश्यकता है कि महिलाओं को विशेष सुविधाएँ प्रदान कर उनके श्रम बल में भागीदारी बढ़ाने से एक समावेशी समाज का निर्माण हो सके।।

निष्कर्ष दीजिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. संसाधनों पर प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ और बड़ा घरेलू बाजार होने के बावजूद, भारत में खाद्य प्रसंस्करण पिछड़ा हुआ है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite having competitive advantage over resource endowments and large domestic market, food processing in India lags behind. Analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Ans.

टीक है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग ऐसे उद्योगों को संदर्भित करते हैं जो कच्चे माल के रूप में अर्थव्यवस्था की प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त उत्पादों का उपयोग करते हैं।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए भारत में संभावनाएँ :→

A. संसाधनों पर प्रतिस्पर्धी लाभ

↳ भारत एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था है, जिसके कारण भारत में कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भरता है। साथ ही भारत सब्जियों एवं फलों के उत्पादन के मामले में 'प्रथम स्थान' पर है।

↳ भारत में कृषि उत्पाद कम दरों पर आसानी से उपलब्ध भी हैं।

↳ भारत दूध उत्पादन के मामले में भी विश्व में 'प्रथम स्थान' पर है।

संभावनाओं को संक्षेप में लिखने का प्रयास कीजिए।

महत्वपूर्ण शब्दों को रेखांकित कीजिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

↳ मत्स्य उत्पादन में भी भारत 'द्वितीय स्थान' पर है इसी के साथ भैंसों की संख्या के मामले में भी 'प्रथम स्थान' पर है।

उपर्युक्त सभी कारक FPIs को उच्च माल प्रचुर एवं कम कीमतों पर उपलब्ध कराने में सक्षम हैं।

B. बड़ा घरेलू बाजार

↳ भारत की जनसंख्या विश्व में 2nd largest है, इसी आबादी जिसी भी उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण कारक होती है।

↳ भारत में प्रतिव्यक्ति आय में हुई वृद्धि ने पोषक उत्पादों की कुल मांग को बढ़ाया है।

इस प्रकार, ये कारक उत्पादित उत्पाद को खपत के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ उपलब्ध कराती है।

संतुलित उत्तर लिखने का प्रयास कीजिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इन प्रतिस्पर्धात्मक लाभों के बावजूद इस क्षेत्र के पिछड़े होने के कुछ कारण हैं-

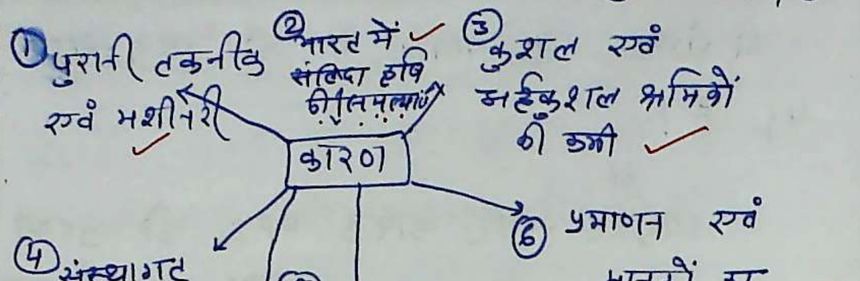

कारण:
- (1) पुरानी तकनीक एवं मशीनरी ✓
- (2) भारत में संविदा कृषि नीतियाँ ✓
- (3) कुशल एवं अर्धकुशल श्रमिकों की कमी ✓
- (4) संस्थागत ऋण की अनुपलब्धता ✓
- (5) सरकारी नीतियों में स्थिरता का अभाव। ✓
- (6) प्रमाणन एवं मानकों का सुस्पष्ट व्यवस्था नहीं ✓
- (7) भंडारण सुविधाओं के अभाव में फल एवं सब्जियों के लगभग 30% का खराब होना। ✓

इन समस्याओं से निपटने के लिए एवं इस क्षेत्र के विकास के लिए सरकार कई योजनाएँ लाई हैं :→
- Mega food park ✓
- संपदा योजना ✓
- एक जिला एक उत्पाद ✓
- Skill dev. schemes ✓
- Production Linked intensive etc.

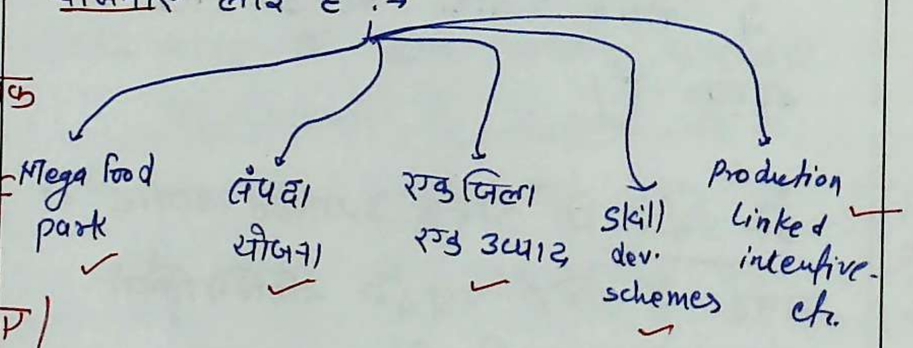

सरकार द्वारा किए गए अन्य उपाय → राजकोषीय प्रोत्साहन, कर में कमी, संस्थागत उपाय।

एक सकारात्मक टिप्पणी के साथ निष्कर्ष लिखने का प्रयास कीजिए।

5.5

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. हाल के वर्षों में भारत की गिग इकॉनमी में भारी उछाल आया है। हालाँकि, गिग इकॉनमी में महिलाओं के प्रवेश में संरचनात्मक बाधाएँ बनी हुई हैं। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15
India's gig economy has witnessed an enormous surge in recent years. However, there remain structural barriers to women's entry into the gig economy. Analyse. (250 words) 15

गिग इकॉनमी, एक अर्थव्यवस्था का अनौपचारिक क्षेत्र होता है जो मुख्य रूप से संविदा आधारित श्रम को प्रोत्साहन देता है।

ठीक लिखा है।

भारत में एक अनुमान के अनुसार अर्थव्यवस्था में गिग श्रमिकों का कुल प्रतिशत लगभग 91-92% है जो इस क्षेत्र के संबंध में महत्वपूर्ण उपाय किए जाने को रेखांकित करता है।

1.0-1.5 → 77 लाख कर्मचारी

परन्तु, यह देखा गया है कि महिलाओं की भागीदारी गिग श्रमिकों में नहीं है, परन्तु अब भी यह अत्यंत कम है जिसके लिए कुछ संरचनात्मक बाधाएँ जिम्मेदार हो सकती हैं-

- कार्यस्थल पर सुरक्षा सुविधाओं एवं बच्चों से संबंधित सुविधाओं का अभाव।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कुछ अन्य कारण → संस्थागत वित्तीय स्रोतों तक पहुँच की कमी, डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक अलगाव पहुँच आदि।

- पितृसत्तात्मक प्रवृत्ति का समाज व्यवस्था में अभी की प्रभाव का बना रहना। यथा:→ "पुरुष बाहर काम करेगा", "महिलाएं घर की देखभाल करेंगी"।
- महिलाओं में कुशल कामगारों की कमी।
- परिवहन एवं कार्यस्थल पर शौचालयों आदि सुविधाओं का अभाव।
- गिग इकॉनमी में कठोर श्रम की आवश्यकता, महिलाओं को इस भूमिका के अनुपयुक्त समझा जाता है।
- पुरुष समकक्षों से मजदूरी की दरों में कमी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपर्युक्त बाधाओं को दूर करने एवं गिग इकॉनमी में श्रमिकों की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपयुक्त निष्कर्ष लिखना चाहिए।

सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने एवं इस क्षेत्र के अधिक से अधिक औपचारिकरण के लिए सरकार को कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

1. सर्वप्रथम, सरकार को गिग इकॉनमी पर आंकड़ों के संग्रहण के साथ-साथ उनको अपडेट के लिए संस्थागत तंत्र बनाए जाने की आवश्यकता है।
2. कुछ कानूनों यथा→ न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, समान पारिश्रमिक अधिनियम, दिशानिर्देश, गाइडलाइन्स, घरेलू कामगारों की सुरक्षा अधिनियम, Manual scavenging की समाप्ति के लिए कानून को गिग इकॉनमी में किस प्रकार अधिक संगठित तरीके से लागू किया जा सके, इस पर एक आयोग व नीति बनाने की आवश्यकता है।
3. परिवहन सुविधाओं एवं शौचालय सुविधाओं का विकास एवं समाज में जागरूकता महिलाओं की भागीदारी को बढ़ा सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संक्षिप्त बिन्दुओं के माध्यम से समझाने का प्रयास किया जा सकता है। → इससे आप अधिकतम बिन्दु समाहित कर पाएंगे।

6.5

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. "पीएम गति शक्ति योजना में दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं के साथ प्रतिस्पर्द्धा करने के लिये भारतीय बुनियादी ढाँचे और लॉजिस्टिक व्यवस्था को बदलने की क्षमता है।" समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

"PM GATI SHAKTI has the potential to transform Indian infrastructure and logistics to compete with the world's leading economies". Critically analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Ans.

PM GATI SHAKTI योजना की घोषणा

1 Feb. 2022 को श्रीमति निर्मला सीतारमन जी ने भारत में अवसंरचनात्मक क्षेत्र को आमूल-चूल रूप से परिवर्तित करने के उद्देश्य से की। इसके तहत लगभग 100 लाख करोड के अवसंरचनात्मक प्रोजेक्ट को विकसित करने का रोडमैप है जो लगभग 25 वर्षीय मास्टरप्लान के रूप में होगा।

इसके तहत सरकार एवं स्वीकृत पोर्टल के माध्यम से विभिन्न मंत्रालयों यथा- सड़क, रेल, विद्युत, नेटवर्क, जलमार्ग, वायुपरिवहन जैसे 16 मंत्रालयों की योजनाओं की स्वीकृत प्लानिंग, समय-पर मंजूरी, समन्वय एवं निजी निवेश को बढ़ाने में सहायक होगी। यह भारत में "सागरमाला, भारतमाला, BharatNET आदि project

ठीक है।

भारत में बुनियादी ढाँचे का निर्माण लागत में, वृद्धि से प्रभावित है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के विकास में सहायक होगा तथा भारत में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ाने में सहायक होगा।

क्षमताएं :-

(i) यह Logistic cost जो वर्तमान में GDP का 12% है, उसे कम करने में सहायक होगा
↳ निर्यातों को प्रतिस्पर्धात्मक बनायेगा।

(ii) कच्चे माल का देश के भीतरी क्षेत्रों की तरफ एवं तैयार माल के बंदरगाहों की तरफ परिवहन को बाधारहित बनाकर उद्योगों की गुणवत्ता बनाए रखने में सहायक रहेगा।

(iii) कच्चे माल विशेष रूप से कृषि उद्योगों को भंडारण सुविधाओं एवं वातानुकूल परिवहन साधनों की उपलब्धता के कारण नष्ट होने से बचाया जा सकेगा।
↳ FPIs की लागत कम होना → निर्यात प्रतिस्पर्धी बनना।

कुछ अन्य तथ्य
↓
- व्यापकता
- प्राथमिकता
- अनुकूलन
- सिंक्रनाइजेशन
- विश्लेषणात्मक
- गतिशील
- मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(iv) रेगिस्तान क्षेत्रों से सौर ऊर्जा, पहाड़ी क्षेत्रों से जल विद्युत एवं अपतटीय क्षेत्रों से विद्युत की देश के आन्तरिक भागों में आपूर्ति, कोयले के आयात को कम करेगा। एवं परिवहन के साधनों को सस्ता कर सकता है।

परन्तु कुछ चुनौतियां विद्यमान हैं -

- भूमि अधिग्रहण में समस्या ⇓ Ex- Bullet train
- पर्यावरण की सुरक्षा का मुद्दा ⇓ Ex- Maharashtra में Arrey forest
- निजी निवेश में बाधा
- बैंकों की NPAs की समस्याएं

अतः आवश्यकता है कि इस योजना में भारतीय अर्थव्यवस्था को आमूल-चूल रूप से परिवर्तित करने की क्षमता है अतः PPP Model की कमियों को दूर करने की आवश्यकता है। तथा भूमि अधिग्रहण की समस्याएं के लिए "Land bank" को अपनाया जा सकता है।

अन्य चुनौतियां ↓
① परियोजनाओं का वित्तपोषण
② विभिन्न एजेंसियों, राज्य और स्थानीय सरकार का एक साथ समन्वय करना।

निष्कर्ष ठीक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. विभिन्न प्रकार के निवेश मॉडलों की चर्चा कीजिये। पी.पी.पी. (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

Discuss the distinct types of investment models. Highlight the issues with the PPP (Public Private Partnership) model. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सन्दर्भ के अनुसार भूमिका लिखने का प्रयास किया गया है।

निजी निवेश को अवसंरचनात्मक परियोजनाओं में आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा एक प्रमुख नीति के रूप में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को महत्त्व दिया जा रहा है।

Hybrid Annuity Model ⇓

- यह [BOT + EPC] का संयुक्त रूप है
- परियोजना लागत का सरकार 40%, 5 किस्तों में देती है।
- राजस्व संग्रहण की जिम्मेदारी सरकार की होती है।

निवेश मॉडलों का संक्षेप में वर्णन करना प्रभावी रहेगा जैसे
① सार्वजनिक निवेश मॉडल
② निजी निवेश मॉडल
③ सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अन्य मुद्दे
↓
• खराब संस्थागत वातावरण और समर्थन
• कमजोर राजनीतिक और कानूनी ढाँचा

PPP Model से संबंधित मुद्दे

1. बहुतायत में PPP Models की उपलब्धता → सुस्पष्टता का अभाव।

2. भूमि अधिग्रहण में देरी → यह project cost को बढ़ाने के साथ-साथ परियोजना को अव्यावहारिक बना देती है।

3. विभिन्न मंत्रालयों में समन्वय का अभाव → परियोजनाओं की मंजूरी में देरी एवं प्रक्रियात्मक भिन्नता।

4. आवश्यक सुविधाओं यथा- विद्युत, समाधान-तंत्र का अभाव, PPP

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मुद्दों से निपटने के उपायों की चर्चा करने का प्रयास कीजिए।
↓ जैसे
• हितधारकों के बीच जोखिम की पहचान और आवंटन।

परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं।

हाल ही, सरकार द्वारा प्रारंभ PM GATI SHAKTI योजना में PPP models की महत्ता को देखते हुए इसमें सुधार करने की आवश्यकता है-

(i) भूमि अधिग्रहण की समस्या का हल → "Land banks" हो सकता है।

(ii) मंत्रालयों में समन्वय के लिए एक समग्र समर्पित portal बनाने की आवश्यकता है।

उपयुक्त निष्कर्ष लिखने का प्रयास कीजिए।

(5)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. बंदरगाह क्षेत्र को न केवल मज़बूत करने, बल्कि उसका विस्तार, विकास और आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

There is a need not just to strengthen but expand, develop, and modernize our port sector. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Ans.

भारत में लगभग 13 प्रमुख एवं 200 से अधिक छोटे बंदरगाह हैं। भारत की लगभग 7,516 km लम्बी तट-रेखा बंदरगाह आधारित विकास के लिए अनुकूल वातावरण अनुकूल उपलब्ध कराती है।

आवश्यकता :-

1. भारत का लगभग 95% विदेशी व्यापार (मात्रा में) एवं मूल्य का 75% व्यापार समुद्री क्षेत्र से होता है → महत्त्वपूर्ण है।

2. बड़ी संख्या में तटों के पास जनसंख्या की उपस्थिति उनके

ठीक है।

आवश्यकता को संक्षेप में लिखने का प्रयास कीजिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रोजगार की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ सामाजिक अवसंरचना के विकास में सहायक होगा।

3. चीन की हिन्दी महासागर में बढ़ती आक्रमकता को प्रतिसंतुलित करने एवं सुनामी जैसे प्राकृतिक आपदा के विरुद्ध सहन योग्य अवसंरचना (Resilient) का निर्माण करने के लिए।

4. कच्चे माल एवं तैयार माल की बाधारहित परिवहन एवं लागत को निम्न करने के लिए बंदरगाहों के विकास को बढ़ावा देना आवश्यक है

5. बंदरगाहों का विकास अपतटीय पवन ऊर्जा जैसी स्वच्छ ईंधन में प्राप्त करने में सहायक।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अन्य आयामों की चर्चा भी कीजिए

↓

① भारतीय बंदरगाहों से संबंधित मुद्दे और चुनौतियां

② समस्याओं के समाधान के उपाय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार इसके महत्व को देखते हुए हाल ही में सरकार बंदरगाहों के केन्द्रीकृत विनियमन के लिए एक कानून लाई है ताकि विकास को स्वीकृत रूप में संचालित किया जा सके।

इस कानून का नाम उदाहरण के रूप में लिखने का प्रयास कीजिए।

(5)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. भारत में विनिर्माण को प्रोत्साहित करने और विनिर्माण और सेवाओं में समर्पित निवेश के साथ अर्थव्यवस्था को उत्प्रेरित करने के लिये मेक इन इंडिया पहल अस्थिर-सी हो गई है। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Make in India initiative to encourage manufacturing in India and galvanize the economy with dedicated investments in manufacturing and services is on a slippery slope. Critically analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

A. भारत ने विश्व का 'विनिर्माण हब' बनने के लिए जारी की गई 'Make in India' पहल, इच्छित परिणाम देने में सफल नहीं हो सकी। कारण :-

1. शैल Companies से निवेश का आना (मुख्य रूप से) → जो न तो direct था और न ही विदेशी।
   काले धन को खपाने का माध्यम

2. श्रम की उत्पादकता कम → skilled Labour का अभाव
   'मैकेंजी' की एक Report के अनुसार भारतीय श्रमिक की क्षमता 5 से 6 गुना कम है।

3. छोटी कंपनियां
   ↳ due to Labour Law's
   ↳ तकनीक एवं मशीनरी में निवेश करने की क्षमता कम।

भूमिका सन्दर्भ के अनुसार लिखी गई है।

सरकार द्वारा किए गए उपायों की चर्चा करने का प्रयास कीजिए। जैसे
① आत्मनिर्भर भारत अभियान
② भारतीय व्यापार पोर्टल आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. परिवहन → माल परिवहन की गति कम भारत में 60 km/hr. है वहीं चीन में 100 km/hr.

अच्छा प्रयास किया गया है।

5. विद्युत → आपूर्ति में बाधा।

6. भूमि अधिग्रहण की समस्या।

7. सरकारी कर्मचारियों में भ्रष्टाचार की अधिकता → भ्रष्टाचार परसेप्शन इंडेक्स में 150 वाँ स्थान।

8. Ease of doing business में सुधार पर अभी भी भारत 180 देशों में 77 वें स्थान पर है

9. MSMEs क्षेत्र को बढ़ावा देने पर पर्याप्त ध्यान नहीं एवं उनकी समस्याएँ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार की बाधाओं को देखते हुए सरकार को निम्न उपाय करने की आवश्यकता है-

(i) FDIs को और अधिक क्षेत्र को खोलना एवं सीमा बढ़ाना।

सार्थक प्रयास है।

(ii) MSMEs क्षेत्र को बढ़ावा देना।

(iii) Ease of doing business Index में सभी parameters पर विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

(iv) PM GATI SHAKTI, BHARATMALA, SAGARMALA, BHARAT NET परियोजनाओं के तहत अवसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

एक उपयुक्त निष्कर्ष लिखने का प्रयास कीजिए।

(6)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. किसानों की आय दोगुनी करने के लिये कृषि में विकासात्मक पहल, प्रौद्योगिकी और नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

Developmental initiatives, technology and policy reforms in agriculture are needed for doubling farmers' income. Elucidate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Ans.

उपयुक्त भूमिका लिखते हुए उत्तर की शुरुआत की जा सकती है।

आवश्यकता क्यों ??

[1] विकासात्मक पहल

↳ सिंचाई सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था → सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों का अपनाना।

↳ भंडारण एवं परिवहन अवसंरचना के विकास के माध्यम से उत्पादों को नष्ट होने से बचाना।

↳ Watershed development पर बल।

अन्य पहल ↓ बेहतर तकनीक, गुणवत्ता वाले बीजों का उपयोग, उर्वरक उपयोग आदि।

[2] प्रौद्योगिकी

↳ सूखा प्रतिरोधी, उन्नत किस्म के बीजों का निर्माण।

↳ Sensors, satellite आदि के माध्यम से मृदा की स्थिति का आकलन करना एवं नुकसान का अनुमान लगाना।

उपयुक्त निष्कर्ष लिखने का प्रयास कीजिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

↳ दुर्गम क्षेत्रों में बीजों एवं उर्वरकों के छिड़काव में प्रौद्योगिकी की भागीदारी।

↳ डिजिटल सूचना तक पहुँच → बाजार मूल्य, MSP की बेहतर समझ एवं जागरूकता उत्पन्न करने में सहायक।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य भी शामिल किए जा सकते हैं। जैसे ↓

[3] नीतिगत सुधारों →

↳ e-NAM को भारत में 22,000 से अधिक छोटी मंडियों तक विस्तारित करना।

- शून्य बजट प्राकृतिक खेती
- ICAR की भूमिका

↳ संस्थागत ऋण तक पहुँच को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिक क्षेत्र उधारी एवं KCC पर नीतिगत सुदृढ़ता।

↳ MSP नीति में व्याप्त फसलगत एवं क्षेत्रगत भेदभाव को समाप्त किया जाना चाहिये।

(5)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation